SARDAR PATEL UNIVERSITY

VallabhVidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -VI

Course Code	UA06CHIN51	Title of the Course	प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य भाग–2
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Objectives	1. 'भ्रमरगीत सार' : संपादक आ. रामचंद्र शुक्ल (प्रकाशन: कृष्णदास पोडवाल एंड कंपनी बनारस) 2. 'रीतिकाव्य संग्रह' बिहारी के दोहे, संपादक: विजयपाल सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	सूरदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	25
2.	भ्रमरगीत सार का काव्य सौंदर्य	
3.	भ्रमरगीत सार का कथानक	
4.	भ्रमरगीत में प्रकृति वर्णन	
Unit	2.	25
1.	भ्रमरगीत सार में गोपियों के विरह की मार्मिकता	
2.	भ्रमरगीत सार एक उपालम्भ काव्य	
3.	भ्रमरगीत सार में ज्ञान पर प्रेम की विजय	
4.	संदर्भ	
Unit	3.	25
1.	बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	

2.	सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान	
3.	बिहारी का संयोग श्रंगारवर्णन	
4.	बिहारी का वियोग श्रंगारवर्णन	
Unit	4.	25
1.	बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ	
2.	बिहारी का जीवनदर्शन	
3.	रीतिकालीन कवियों में बिहारी का स्थान	
4.	संदर्भ	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern		
Sr. No.	Details of the Evaluation	Weightage
1.	Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
2.	Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%
3.	University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to	
	➢ प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के अध्ययन के क्रम में, भक्तिकालीन कवि सूरदास और रीतिकालीन कवि बिहारी के काव्य का अध्ययन भक्तिकाल व रीतिकाल की सृजनमूलक चेतना से रूबरू कराकर, उन दोनों कवियों की रचनाधर्मिता को समझ़ने का पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। वस्तुपक्ष एवं कलापक्ष की द्रष्टि से समृद्ध माने जाने वाले भक्तिकाव्य और रीतिकाव्य का प्रतिनिधित्व करते हुएयह पाठ्यविषय अध्येता को युगीन प्रवाहों आदि की भी जानकारी प्रदान करता है ।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	मध्यकालीन काव्य–कुमार एवं श्रीवास्तव
2.	मध्यकालीन काव्य– डॉ.दिलीप मेहरा
3	मध्युगीन भक्ति काव्य के विचारपक्ष का आलोचनात्मक अनुशीलन–डॉ.शिवप्रसाद शुक्ल
4	कबीर मीमांसा– डॉ.रामचंद्र तिवारी
5.	भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य– सत्येन्द्र परिक
6.	रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना– डॉ.बच्चन सिंह
7.	हिन्दी साहित्य का इतिहास– आ. रामचंद्र शुक्ल
8.	हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. नगेन्द्र
9.	सूरदास – आ. शुक्ल

10.	संक्षिप्त बिहारी – डॉ. नगेन्द्र
11.	-
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

Vallabh Vidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -VI

Course Code	UA06CHIN52	Title of the Course	हिन्दी व्याकरण
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	हिन्दी वर्णों का वर्गीकरण	25
2.	संज्ञा की परिभाषा उसके भेद	
3.	सर्वनाम की परिभाषा उसके भेद	
4.	विशेषण की परिभाषा उसके भेद	
Unit	2.	25
1.	अव्यय की परिभाषा उसके भेद	
2.	कारक की परिभाषा उसके भेद	
3.	वाच्य की परिभाषा उसके भेद	
4.	क्रिया की परिभाषा उसके भेद	
Unit	3.	25
1.	वाक्य की परिभाषा उसके भेद	
2.	वचन	
3.	लिंग	
4.	समास	
Unit	4.	25
1.	विभक्ति	
2.	कृदंत	
3.	उपसर्ग	
4.	प्रत्यय	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern		
Sr. No.	Details of the Evaluation	Weightage
1.	Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
2.	Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%
3.	University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to	
	➢ भाषा –संरचना व भाषिक – विश्लेषण तथा भाषिक औचित्य के लिए व्याकरण की सुजबुज़ अनिवार्य है ।हिन्दी व्याकरण पर केन्द्रित यह पाठ्य वस्तु हिन्दी भाषा प्रयुक्तियों के लिए अपेक्षित व्याकरणिक आधार उपलब्ध कराती है, जिसमे हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम,विशेषण,अव्यय, कारक, वाच्य, वर्ण, वचन, लिंग, समास, विभक्ति, कृदंत, उपसर्ग, प्रत्यय, आदि का समावेश होता है । भाषिक सटीकता,सज्जता, भाषिक औचित्य, भाषा–प्रयुक्ति हेतु यह आवश्यक भी है ।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	हिन्दी व्याकरण– पंडित कामताप्रसाद गुरु
2.	हिन्दी व्याकरण और रचना –डॉ. भोलानाथ तिवारी
3	आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद
4	अभिनव हिन्दी व्याकरण–डॉ. नागप्पा
5.	हिन्दी रूप रचना –सं. जयेन्द्र त्रिवेदी
6.	–
7.	–
8.	–
9.	–
10.	–
11.	–
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

B.A. (Hindi) Semester -VI

Course Code	UA06CHIN53	Title of the Course	पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत	25
2.	अरस्तु का विरेचन सिद्धांत	
3.	अरस्तु का त्रासदी सिद्धांत	
4.	कामदी सिद्धांत	
Unit	2.	25
1.	इलियट का परंपरा संबंधित सिद्धांत	
2.	निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	
3.	वड्स वर्थ : काव्य की अवधारणा	
4.	लोंजाइनस का उदात्त सिध्धांत	
Unit	3.	25
1.	कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत	
2.	रिचर्डस का मुल्यसिद्धांत	
3.	काव्य में सत्यं, शिवम् ,सुन्दरम्	
4.	बिम्ब, प्रतिक , मिथक	
Unit	4.	25
1.	आभिजात्यवाद	
2.	स्वछंदतावाद	
3.	यथार्थवाद	
4.	आदर्शवाद	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern	
Details of the Evaluation	Weightage
Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%

University Examination	70%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to
➢ काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों में भारतीय सिद्धांत के अतिरिक्त पाश्त्य साहित्य सद्धांतों का अध्ययन भी अपेक्षित है ।इस अध्ययन से पाश्त्य काव्यशास्त्र की विविध परिपाटियों को, दर्शनों, वादों, आदि की जानकारी मिलती है,जिससे रचना विवेचन – विश्लेष्ण करने के लिए विभिन्न अभिगम भी उपलब्ध होते है । साहित्य समीक्षा के लिए तथा समीक्षा द्रष्टि के विकास एवं विस्तरण के लिए भी इन सिद्धांतों व परिपाटियों का अध्ययन करना समीचीन है ।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद – सं. डॉ. नगेन्द्र
3	पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास , सिद्धांत और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र
4	पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास – डॉ.तारकनाथ बाली
5.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.तुलसीभाई पटेल
6.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन – डॉ. शिवकुमार मिश्र
7.	–
8.	–
9.	–
10.	–
11.	–
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

Vallabh Vidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -VI

Course Code	UA06CHIN54	Title of the Course	प्रयोजनमूलक हिन्दी
Total Credits of the Course	04	Hours per Week	04

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	प्रयोजनमूलक हिन्दी परिभाषा एवं स्वरूप	25
2.	प्रयोजनमूलक हिन्दी का व्यवहार क्षेत्र	
3.	राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति और गति	
4.	१९६८ का संकल्प	
Unit	2.	25
1.	संक्षेपण	
2.	प्रारूपण	
3.	टिप्पण	
4.	विस्तारण	
Unit	3.	25
1.	पत्राचार की परिभाषा एवं परिचय	
2.	कार्यलयीपत्र	
3.	व्यावहारिकपत्र	
4.	व्यावसायिकपत्र	
Unit	4.	25
1.	अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप	
2.	अनुवाद की प्रक्रिया	
3.	अनुवाद के प्रकार – कार्यलयी अनुवाद, वैज्ञानिक अनुवाद	
4.	तकनिकी अनुवाद, वाणिज्य अनुवाद	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern	
Details of the Evaluation	Weightage
Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	15%
Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	15%
University Examination	70%

Course Outcomes:
Having completed this course, the learner will be able to

- हिन्दी के विविध रूपों के क्रम में राजकाज की भाषा के रूप में राजभाषा हिन्दी को प्रयोजनमूलक हिन्दी के रूप में स्वीकृत व प्रयुक्त करने के लिहाज से यह पाठ्य सामग्री प्रयोजनमूलक हिन्दी के स्वरूप, व्यवहारक्षेत्र, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति – गति को निरुपित करते हुए, राजभाषा प्रयुक्ति की प्रक्रिया को भी उजागर करती है । साथ ही, अनुवाद के स्वरूप, प्रक्रिया, प्रकारों का भी निदर्शन कराती है । इस प्रकार प्रयोजनमूलक हिन्दी के सैधांतिक –व्यवहारिक पक्षों का ज्ञान अध्येता को राजगारलक्षी अवसर भी मुहैया कराने में सहायक है ।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे
2.	प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. दंगल ज़ालटे
3	प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिद्रश्य – रमेशचन्द्र त्रिपाठी, डॉ. पवन अग्रवाल
4	प्रयोजनमूलक हिन्दी– बलजिंदर रंधवा, कौशल पाण्डेय
5.	प्रयोजनमूलक हिन्दी व्याकरण एवं पत्रलेखन – डॉ. नाथूराम देसाई
6.	व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. माखनलाल शर्मा
7.	प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पाकुमारी
8.	व्यावसायिक हिन्दी – डॉ.पुष्कर सिंह
9.	-
10.	-
11.	-
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	

SARDAR PATEL UNIVERSITY

Vallabh Vidhyanagar, Gujarat

(Reaccredited with 'A' Grade NAAC (CGPA 3.25)

Syllabus with effect from the Academic Year 2023-24

B.A. (Hindi) Semester -V

Course Code	UA06DHIN51	Title of the Course	मीडिया लेखन(इलेक्ट्रोनिक मीडिया)
Total Credits of the Course	02	Hours per Week	02

Course Content		
Unit	**1.**	Weightage*(%)
1.	रेडियो नाटक लेखन के तत्व	25
2.	रेडियो विज्ञापन की विशेषताएँ	
3.	रेडियो कोमेंट्री का अर्थ एवं विशेषताएँ	

4.	रेडियो समाचार लेखन की विशेषताएँ	
Unit	2.	25
1.	टेलिविज़न समाचार लेखन	
2.	टेलिविज़न धारवाहिक लेखन	
3.	टेलिविज़न फिल्म लेखन की विशेषताएँ	
4.	फीचर फिल्म लेखन की प्रकिया	

Teaching-Assignments, Learning	Lecture, Recitation, Group discussion, Guest speaker, Debate, Seminar, Quizzes Methodology

Evaluation Pattern	
Details of the Evaluation	Weightage
Internal Written / Practical Examination (As per CBCS R.6.8.3)	=
Internal Continuous Assessment in the form of Practical, Viva-voce, Quizzes, Seminars, Assignments, Attendance (As per CBCS R.6.8.3)	=
University Examination	50%

Course Outcomes: Having completed this course, the learner will be able to
➢ मीडिया जगत में इलेक्ट्रोनिक मीडिया में व्यवसाय के क्षेत्र में द्वारा खुले है। इलेक्ट्रोनिक जगत युवा वर्ग केलिए व्यवसाय का मुख्य केंद्र रहा है।

Suggested References:	
Sr No	References
1.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया – सं.डॉ. संजीव भानावत
2.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया के सिद्धांत – रूपचंद गौतम
3	मीडिया लेखन एवं फ़िल्म विमर्श – रविन्द्र कात्यायन
4	इलेक्ट्रोनिक और हिन्दी सिनेमा – डॉ. अनिरुद्दसिंह, मृत्युंजय प्रतापसिंह, अनुराग मिश्रा
5.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया और हिन्दी – डॉ. रेशमा नदाफ़
6.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया और स्टिंग ऑपरेशन – सतीश शर्मा
7.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया बदलते परिद्रश्य – डॉ.शालू सूरी
8.	भारत में संचार माध्यम – सं.डॉ. संजीव भानावत
9.	संचार माध्यम और इलेक्ट्रोनिक मीडिया – ज्ञानेन्द्र रावत
10.	इलेक्ट्रोनिक मीडिया – पी.के. आर्य
11.	मीडिया का वर्तमान परिद्रश्य – राकेश प्रवीर
On-line resources to be used if available as reference material	
On-line Resources	
Relevant entries on Wikipedia and Encyclopaedia Britannica	